अजवाईन

किस्म	बुआई का समय	रोपाई का समय
राजेन्द्र मणी	15 अक्टूबर से 15 नवम्बर	पंक्ति से पंक्ति- 30से० मी० पौधा से पौधा- 15-20से०मी०

बीज दर	खाद एवं उवर्रक	खरपतवार नियंत्रण
पंक्ति में- 5-6 क्विं/हे० छिटकवा विधि से- 6-8 क्विं/हे०	कम्पोस्ट - 150 क्विं/हे० नेत्रजन - 50 कि०/हे० फॉस्फोरस - 40 कि०/हे० पोटाश - 40 कि०/हे०	निकाई-गुड़ाई दो से तीन बार

सिंचाई	कीट, रोग एवं नियंत्रण	कटाई
सिंचाई दो बार-पहला सिंचाई बोआई के 35-40 दिन बाद तथा दूसरा सिंचाई फुल आने से पहले या दाना बनने के बाद।	कीट एवं बीमारी रहित	अजवाईन के दाने पूर्ण रुप से पक जाने के बाद कटाई करना चाहिए। कटाई के बाद तीन-चार रोज खुली धूप में सूखाकर दाने को अलग कर लेना चाहिए तथा 3-4 रोज खुली धूप में सुखाकर भण्डारण करना चाहिए।

उपज
10-12 क्विं/हे०